वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 22 | शुक्रवार 17 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने सिक्किम स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी

## संविधान देश का पवित्र ग्रंथ, यह देश का सर्वोच्च विधान पर्यावरण संरक्षण के लिए सिक्किम से सीख लें: राज्यपाल

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

राजभवन में गुरुवार को सिक्किम का स्थापना दिवस समारोह उल्लास-पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस दौरान सिक्किम के स्थानीय जनों से संवाद किया और उन्हें स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का यह प्रदेश प्राकृतिक दृष्टि से ही संपन्न नहीं है बल्कि भारत की सनातन संस्कृति का भी संवाहक हैं। उन्होंने सिक्किम राज्य के इतिहास और संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि 16 मई को यह भारत का 22वां राज्य बना। प्रकृति की सुंदरता संजोए यह धरती का दूसरा स्वर्ग है। राज्यपाल ने सिक्किम को घाटियों, वन और नदियों का प्रदेश बताते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए किए वहां के कार्यों से सीख लेने का भी आह्वान किया। यह देश का पहला जैविक प्रदेश है और जिस तरह से स्थानीय लोगों ने सिक्किम की प्रकृति संरक्षण परम्पराओं को सहेज रखा है, वह देश के अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय है। मिश्र ने आरंभ में संविधान की उद्देशिका का सभी को वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। संविधान पवित्र ग्रंथ भर नहीं है बल्कि यह भारत की गीता, कुरान और बाइबिल है। उन्होंने संविधान में निहित अधिकारों के साथ कर्तव्यों के लिए भी सभी को सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, गुरु गोविन्द सिंह आदि के चित्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की विविधता में एकता की संस्कृति का संविधान संवाहक है। सिक्किम के स्थानीय लोगों ने इस अवसर पर राज्यपाल का अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जल संसाधन विभाग की मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक की

## पेयजल से संबंधित सभी परियोजनाओं में आचार संहिता के चलते देरी नहीं हों: मुख्य सचिव

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान अंतर्विभागीय प्रकरण, ईसरदा दौसा जल आपूर्ति प्रोजेक्ट तथा जल जीवन मिशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि विभाग की पेयजल से संबंधित जितनी भी परियोजनाएं तैयार है उन्हें बिना किसी विलंब के जल्द से जल्द लागू किया जाए। उन्होंने ये भी बताया कि आमजन के लिए पेयजल एक अति-संवेदनशील मामला है अतः पेयजल से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं को लागू करने में आचार संहिता हटने का इंतजार ना करें। चुनाव आयोग से अनुमति लेकर आचार संहिता के दौरान भी आवश्यक राजकीय कार्य जारी रखें। पंत ने निर्देश दिए कि विभाग से संबंधित सभी प्रोजेक्ट की उचित तरीके से मॉनिटरिंग हो साथ ही प्रत्येक स्तर पर कार्य पूर्ण करने की तय समय सीमा निर्धारित हो। बीएसआर 2024 और पाइप पॉलिसी दोनों को 31 मई तक पूर्ण करें। साथ ही पंत ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि JJM एवम AMRUT 2.0 योजना को समय से पूर्ण किया जाए। प्रदेश में सुशासन और पारदर्शिता के लिए ई-फाइलिंग सिस्टम को अधिक से अधिक अमल में लाया जाए और सभी राजकीय अधिकारियों में इस बारे में जागरूक हों साथ ही मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक राजकीय कार्य ई-फाईल के माध्यम से हो साथ ही औसत निस्तारण समय अधिक होने पर विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा उचित कार्यवाही की जाए।

# नागरिक अस्पताल में मनाया गया विश्व डेंगू दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिक अस्पताल में विश्व डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उप सिविल सर्जन (मेडिकल) डा. प्रमोद शर्मा, उप सिविल सर्जन (मलेरिया) डा. गौरव अरोडा, महामारी अधिकारी डा. संजय कुमार मौजूद रहे। उप सिविल सर्जन (मेडिकल) डा. प्रमोद शर्मा ने बताया कि डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है और यह मच्छर साफ ठहरे पानी में पनपता है। इसलिए डेंगू से बचाव के लिए पानी को इकट्ठा न रहने दे क्योंकि जहां पर पानी ठहरता है वहां पर डेंगू का मच्छर पनपता है। उन्होंने कहा कि आमजन अपने घरों की टंकियों को पूरी तरह ढक कर रखें। सप्ताह में एक बार टंकियों, कूलरों, गमलों, शौचालयों में पड़े घड़ों, छतों पर पड़े बेकार टायरों, पशु-पक्षियों के पानी पीने के बर्तनों व अन्य पानी के स्त्रोतों को खाली करें, रगड़कर साफ करें व फिर पानी भरें तथा सप्ताह में एक दिन ड्राइंग-डे (शुष्क दिवस) मनाए। उन्होंने कहा कि अपने घरों के आस-पास 7 दिनों से ज्यादा पानी खड़ा न होने दें। खड़े पानी में मच्छर अंडे देता हैं, जो 7 दिनों में पुनः मच्छर बनकर डेंगू फैलाता है। किसी भी बुखार की अनदेखी न करें, तुरंत खून की जांच करवाएं। इसकी जांच व डेंगू पाए जाने पर इसका पूर्ण उपचार भी नागरिक अस्पताल में मुफ्त उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि घरों के आसपास जहां भी जल भराव है उसमे काला तेल डाले व हर रविवार को पानी के स्त्रोतों को खाली करना व उल्टा करके सुखाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुष्कर दत्त, धीरज कुमार, केवल कृष्ण कंबोज, अभिषेक, एमपीएचडब्ल्यू वरुण कुमार, लैब टेकनिशियन राजेश कुमार व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# परिण्डे वितरण कर जीव दया का दिया संदेश

**बागीदौरा. शाबाश इंडिया।** महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा एवं विश्व मानवाधिकार संगठन जिला बांसवाड़ा के तत्वावधान में शुक्रवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बागीदौरा में अभिभावकों, बालिकाओं व अतिथियों को परिण्डे वितरित किये गए। मुख्य अतिथी बागीदौरा पुलिस उप अधीक्षक विनय कुमार चौधरी रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार निनामा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि महावीर इंटर नेशनल शाखा के चेयरमेन सुरेशचन्द्र गॉधी, बॉसवाडा-डुंगरपुर जोन के सचिव विनोद दोसी, महावीर इंटर नेशनल शाखा बागीदौरा के अध्यक्ष दिलीप दोसी, विश्व मानवाधिकार जिला अध्यक्ष विनोद पानेरी, जीव दया परिवार अध्यक्ष आशीष पंचोरी रहे। आरम्भ में अतिथियो का उपरना ओढ़ा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ने कहा कि गर्मी को देखते हुए एमआई शाखा की और से परिन्डे वितरण कार्यक्रम माइक पशुओं के जीवन में सार्थक प्रयास है। मुख्य अतिथी डिप्टी एसपी विनय चौधरी ने कहा की महावीर इंटर नेशनल के द्वारा चलाये जा रहे सेवा प्रकल्प जिओ और जीने दो के सिद्धांतों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने सभी बालिकाओं को पढ लिखकर जीवन का लक्ष्य साधने के आह्वान किया। अभिवावको से बालिकाओ की कम उम्र मे शादी ना करवाने व पढने का अवसर देने की अपील की। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुरेश गाँधी, जोन सचिव विनोद दोसी ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में सुधीर पाटीदार, राजेन्द मेहता, रमेश टेलर, जितेन्द्र स्वर्णकार, हर्षलता तम्बोलीया, रितु नागर, रीता पारगी, चार्मी दवे ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद पानेरी ने किया। आभार विनोद दोसी ने व्यक्त किया। इस मौके पर 200 से अधिक छात्राओं को परिण्डे वितरित किये गए। इस अवसर पर सभी उपस्थित छात्रों को एवं अभिभावकों को प्रतिदिन प्रातः एक लोटा पानी परिंडे में डालने की शपथ सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दिलाई गई।

# अग्रवाल समाज समिति के चुनाव: लखदातार ग्रुप का सघन जनसंपर्क

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज के आगामी रविवार 19 मई को होने वाले चुनाव में लखदातार ग्रुप के उम्मीदवार मतदाताओं से जनसंपर्क में काफी आगे चल रहे हे रविवार को होने वाले अग्रवाल समाज समिति के चुनाव जयपुर में श्री महावीर दिगंबर स्कूल सी स्कीम में होने जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत लगदातार ग्रुप ने भी अपने 60 प्रत्याशी इस चुनाव में उतारे हैं उनमें से एक प्रत्याशी पुनीत अग्रवाल से जब हमने बात करी तो उन्होंने अपने लखदातार ग्रुप के लिए सभी अग्र बंधुओ से पूरे ग्रुप को जीताने का आह्वान किया है, साथ ही समाज में शेष बचे हुए कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने पूरे ग्रुप की तरफ से जयपुर के अग्रवाल बंधू को वादा किया है। पुनीत अग्रवाल वर्तमान में अग्रवाल समाज सेवा समिति जगतपुरा के महामंत्री हैं साथ ही जगतपुरा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष भी है।

## लखदातार की चली लहर

19 मई रविवार को अग्रवाल समाज समिति जयपुर के चुनाव की घोषणा के बाद से ही चुनाव की सर गर्मी देखी गई लगभग 183 उम्मीदवार अबकी बार इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं जो की तीन ग्रुपों में बटे हुए हैं, सभी ग्रुप अपनी तरफ से मतदाताओं को मनाने में लग रहे हैं सभी के पास अपने-अपने वादे हैं फिर भी सब तरफ देखने पर काफी सारी विकास समितियां ने एवं समाज की उपनगर समितियां ने लखदातार ग्रुप पर अपना विश्वास जताया है इसी ग्रुप के एक सदस्य पुनीत से हमने बात करी उन्होंने बताया हमें लखदातार ग्रुप जीतने पर समाज का भवन जो की अधूरा है उसको जल्द पूरा करने के लिए वादा करता है, एवं युवाओं के लिए उनकेअग्र युवा बोर्ड का गठन करेंगे, साथी मात्र शक्तियों को और मजबूती प्रदान की जाएगी और समाज के सभी कार्यों में उनकी भूमिका को निश्चित किया जाएगा।

# महिला महासमिति निवाई द्वारा 10 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ आगाज

## निवाई के बड़े जैन मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के साथ धार्मिक शिविर का उद्घाटन

**विमल जोला. शाबाश इंडिया**

निवाई। दिगंबर जैन महासमिति संभाग निवाई इकाई 5 द्वारा श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर जी के प्रांगण में 10 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का उदघाटन किया गया, जिसमें बालक बालिकाओं पुरुष एवं महिला वर्ग ने विशेष रुप से भाग लिया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि गुरुवार को बड़े जैन मंदिर में धार्मिक शिक्षण शिविर का शुभारंभ करते हुए भगवान महावीर के समक्ष महासमिति महिला मंडल ईकाई 5 निवाई एवं दिगम्बर जैन महासमिति अंचल उपाध्यक्ष नवीन जैन लुहाड़िया ने महासमिति के पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर महासमिति महिला मंडल की अध्यक्ष शशी सोगानी, महामंत्री शकुंतला छाबड़ा, प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला, कोषाध्यक्ष मेना जैन एवं पूर्णिमा गंगवाल, अर्चना जैन, नीतू जैन, स्नेहलता गिन्दोडी, संगीता संधी ने मंगलाचरण करके नो बार णमोकार महामंत्र का उच्चारण किया। तत्पश्चात मंगलाचरण भक्तामर के 26 वें श्लोक के उच्चारण के साथ शिविर की कार्यवाही चालू की गई। महिला महासमिति ईकाई 5 प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला ने बताया कि भाग 1, 2 ,3 की धार्मिक क्लासेस जारी रहेगी और यह शिविर 15 मई से 24 मई तक जारी रहेगा। संजू जौंला ने बताया कि दिगम्बर जैन महासमिति हर वर्ष धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन करती आ रही है । महासमिति अंचल उपाध्यक्ष नवीन जैन लुहाड़िया ने मंदिर की कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं मंत्री एवं उपस्थित महानुभावों का शिक्षकों का एवं उपस्थित 20 विद्यार्थियों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन विमल जौंला ने किया। इस दौरान अंचल उपाध्यक्ष नवीन जैन लुहाड़िया ने शिविरार्थियों को धर्म का प्रशिक्षण देकर धर्म की शिक्षा का महत्व बताया। इसी तरह उन्होंने प्रतिवर्ष महासमिति द्वारा किए गए कार्यों का उच्चारण किया और महासमिति द्वारा चलाए जा रहे शिविर के माध्यम से प्रत्येक बच्चों में धर्म का बीजारोपण होवे। उन्होंने बच्चों के लिए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिविर उद्घाटन में आये हुए अतिथियों का महिला महासमिति निवाई द्वारा तिलक लगाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर नरेश जैन, ज्ञानचंद जैन, अरुण जैन, जितेश गिन्दोडी, नवीन जैन, अशोक बिलाला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

# श्री 1008 मुनिसुव्रत दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याणनगर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के संयुक्त तत्वावधान के अन्तर्गत श्री 1008 मुनिसुव्रत दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याणनगर टोंक रोड़ पर 15 मई को श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। मंत्री नवनीत गोधा ने बताया कि सर्वप्रथम जैन भवन से जैन मंदिर तक एक विशाल जुलूस का आयोजन किया गया ।तत्पश्चात शिविर का उद्घाटन कमलेश विमला देवी जैन के द्वारा किया गया । आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन समाज श्रेष्ठी सुबोध चन्द- चंद्रा चांदवाड़ द्वारा किया गया । शिविर में प्रशिक्षणार्थी बालको व उनके अभिभावकों का परम्परागत रीति से स्वागत किया गया । प्रशिक्षण हेतु श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा संचालित संत सुधा सागर बालिका छात्रावास से पधारी 2 विदुषी बहिनों का भी स्वागत किया गया। बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण का आयोजन किया गया। प्रवीण मित्तल ने बताया कि अन्त में प्रशिक्षण हेतु पधारे बालक बालिकाओं को पुरस्कार ( प्रभावना ) वितरण का कार्य कमलेश विमला जैन द्वारा किया गया । इस प्रकार सम्पूर्ण कार्यक्रम आनन्द के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बालक बालिकाओं और समाज के प्रबुद्धजनो ( पुरुष व महिलाओ ) ने बहुत बड़ी संख्या में भाग लिया। सुधीर जैन 'लाली' ने बताया कि यह शिविर 15 मई से 30 मई तक चलेगा।

## वेद ज्ञान

# संतुलन और समता

सफल जीवन के लिए समता और संतुलन का अभ्यास जरूरी है। समता और संतुलन की साधना करने वाला व्यक्ति द्वंद्वात्मक स्थितियों में प्रभावित नहीं होता। श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन! जो पुरुष न किसी से द्वेष करता है और न किसी की आकांक्षा रखता है वह कर्मयोगी सदा संन्यासी ही समझने योग्य है। राग-द्वेष द्वंद्वों से रहित पुरुष सुखपूर्वक संसार बंधन से मुक्त हो जाता है। एक साधक के मन में कभी उतार-चढ़ाव और कभी राग-द्वेष के भाव आ सकते हैं, किंतु जिसमें राग-द्वेष का भाव आता रहता है वह साधक नहीं होता। सच्चे साधक की भूमिका वह होती है जहां आकांक्षा और द्वेष दोनों छूट जाते हैं। जो आशा के पाश से जकड़े हुए हैं वे साधक कहलाने के योग्य नहीं होते। गीता के अनुसार आकांक्षा पूर्णतया न भी छूट पाए तो वह कम से कम हो जाए। गृहस्थ लोगों के लिए भी इच्छा का कम से कम होने का अभ्यास जरूरी है। अधिक पैसा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला व्यक्ति यह चिंतन करे कि मुझे दाल-रोटी मिल रही है, रहने की व्यवस्था अच्छी है, आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, फिर मैं पैसे के पीछे क्यों भागूं? अब मैं साधना करूं। यही इच्छा का नियंत्रण है। प्राचीन संस्कृत साहित्य में तो यहां तक कहा गया है कि जितने से पेट भर जाए उतना संग्रह तो पास में रखना आदमी का अधिकार है उससे ज्यादा कोई रखता है तो वह चोर है। सारांश यह है कि संग्रह मत करो और ज्यादा इच्छा मत रखो। जिसमें समता और संतुलन का विकास हो गया और जो निर्द्वंद्व हो गया यानी प्रियता-अप्रियता और आकांक्षा-द्वेष इन द्वंद्वों से जो मुक्त हो गया वह बंधन से मुक्त हो जाता है। जिसने समत्व का अभ्यास कर लिया उससे बड़ा और क्या योग अभ्यास हो सकता है। कितने ही प्राणायाम कर लिए जाएं, कितना ही ध्यान कर लिया जाए, किंतु समता से बढ़कर कोई योग नहीं हो सकता। प्रसन्नता को प्राप्त करने के लिए समता और संतुलन का होना अपेक्षित होता है। गीता में तीन योग बताए गए हैं-कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्ति योग। ज्ञान का अभ्यास करते-करते समता का शिखर प्राप्त हो सकता है। भक्ति का अभ्यास करते-करते समता की परम भूमिका पर आरोहण हो सकता है।

## संपादकीय

# असंतुलन दूर करने का जब तक प्रयास नहीं होगा

महंगाई को सहनशील स्तर पर लाने के लिए जरूरी है कि बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़े, मगर बेरोजगारी बढ़ने, प्रति व्यक्ति आय घटने और क्रयशक्ति छीजती जाने की वजह से बाजार में संतुलन नहीं बन पा रहा। सरकार महंगाई पर काबू पाने के लिए कई वर्ष से प्रयास कर रही है, मगर इसमें स्थिरता नहीं आ पा रही। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई पांच फीसद के नीचे रखने की मंशा से कई बार बैंक दरों में बढ़ोतरी की और अभी तक वह उनमें कटौती

करने के बारे में सोच भी नहीं पा रहा। खुदरा महंगाई पिछले महीने बढ़ कर 7.74 फीसद पर पहुंच गई। अब थोक महंगाई अपने तेरह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। पिछले महीने यह 1.26 फीसद दर्ज हुई। पिछले वर्ष मार्च में यह 1.41 फीसद थी। थोक महंगाई पिछले दो महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि अप्रैल महीने में खाद्य वस्तुओं, बिजली, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पाद विनिर्माण और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पाद की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से थोक महंगाई बढ़ी है। इस स्थिति में कब तक सुधार की संभावना है, इसे लेकर कोई आकलन पेश नहीं किया गया है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में कब नरमी दर्ज होगी, कहना मुश्किल है। विश्व में जिस तरह संघर्ष की स्थितियां और मंदी का दौर है, उसमें कीमतों में कमी को लेकर कोई दावा नहीं किया जा सकता। विनिर्माण और बिजली क्षेत्र में महंगाई बढ़ने की वजहें भी साफ हैं। कोयला उत्पादन क्षेत्र में विकास दर सुस्त बनी हुई है। कोयला आयात बढ़ा है। ऐसे में बिजली उत्पादन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। विनिर्माण में लागत पर खुदरा महंगाई का भी असर होता है। कोयला और बिजली की कीमतें बढ़ने से भी इस क्षेत्र में महंगाई बढ़ती है। इससे जाहिर है कि अभी आने वाले समय में जल्दी इस स्थिति में किसी सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती। महंगाई का एक बड़ा कारण विकास दर में असंतुलन भी है। कुछ क्षेत्रों में विकास दर काफी ऊंची है, तो कुछ में नीचे का रुख बना हुआ है। थोक महंगाई बढ़ने का अर्थ है कि खुदरा महंगाई पर उसका सीधा असर पड़ेगा। अगर वस्तुओं के उत्पादन पर लागत बढ़ेगी, तो खुदरा वस्तुओं की कीमतें उसके अनुपात में कहीं अधिक बढ़ी हुई दर्ज होंगी। फिर, चूंकि महंगाई का आकलन थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है, वास्तविक महंगाई उससे कहीं अधिक होती है। इसीलिए अक्सर जब सरकारी आंकड़ों में महंगाई का स्तर घटा हुआ दर्ज होता है, तब भी आम उपभोक्ता कोई राहत महसूस नहीं करता। आम चुनाव की सरगर्मी में विपक्षी दलों ने महंगाई और बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाया हुआ है। इसलिए थोक महंगाई के ताजा आंकड़े एक बार फिर उन्हें सत्तापक्ष की आलोचना का अवसर देंगे। यह एक अजीब तरह का असंतुलन है कि देश की अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ है, जबकि महंगाई एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसकी कुछ वजहें साफ हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# अब यादों में...

करीब पचास वर्ष सुशील मोदी राजनीति में रहे। अलग-अलग समय में विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा चारों सदनों के लिए वे निर्वाचित हुए। उपमुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य राजनीतिक पदों पर रहते भी उनका व्यक्तित्व सदा बेदाग रहा। उन पर किसी भी तरह के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। बिहार में भाजपा का प्रमुख चेहरा थे। यह उनके मिलनसार, भरोसेमंद व्यक्तित्व और राजनीतिक कुशलता का ही नतीजा था कि बहुमत हासिल न कर पाने के बावजूद भाजपा बिहार में कई बार सत्ता में रही। सुशील मोदी की नीतीश कुमार से गहरी दोस्ती थी। हालांकि दोनों के दलों की वैचारिक पृष्ठभूमि अलग थी, पर सुशील मोदी पर नीतीश कुमार का भरोसा इतना दृढ़ था कि वे भाजपा के साथ गठबंधन करने को तैयार हुए। यहां तक कि राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिल कर चुनाव लड़ने और सरकार बनाने के बाद भी उन्होंने उसका साथ छोड़ा और भाजपा के साथ हाथ मिला लिया। सुशील मोदी जयप्रकाश नारायण के प्रभाव में राजनीति में आए थे। फिर वे भाजपा के साथ हो गए और आजीवन उससे जुड़े रहे। वे प्रबुद्ध राजनीतिकों में से थे। हर वक्त देश-दुनिया की घटनाओं पर नजर रखते थे। वित्तीय मामलों की उन्हें गहरी समझ थी। यही वजह है कि नीतीश सरकार में उपमुख्यमंत्री रहते हुए उन्हें वित्त मंत्रालय का भार भी सौंपा गया था। वित्तमंत्री रहते हुए उन्होंने कई उल्लेखनीय काम किए। जिस समय जीएसटी की रूपरेखा तैयार हो रही थी, सुशील मोदी को राज्यों के वित्तमंत्रियों की समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। करीब पचास वर्ष वे राजनीति में

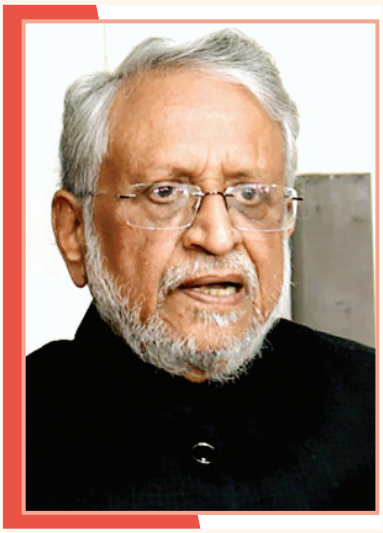

रहे। अलग-अलग समय में विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा चारों सदनों के लिए वे निर्वाचित हुए। उपमुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य राजनीतिक पदों पर रहते भी उनका व्यक्तित्व सदा बेदाग रहा। उन पर किसी भी तरह के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। मृदुभाषी थे। अपने विरोधियों के बारे में भी वे कभी तल्ख नहीं देखे गए। बहुत सोच-समझ कर और अर्थपूर्ण टिप्पणी करते थे। वे बिहार के लोकप्रिय नेताओं में थे। बिहार में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण हैं, उसमें भाजपा को मजबूत स्थिति में खड़ा करने में सुशील मोदी का बड़ा योगदान था। हालांकि भाजपा को यह मलाल है कि अभी तक वह अपने दम पर अपना मुख्यमंत्री नहीं बना पाई। मगर जिस तरह सुशील मोदी ने एनडीए को वहां कामयाबी दिलाई थी, वह उनके बाद की पीढ़ी के नेताओं के सामने एक बड़ी लकीर है। उनका जाना भाजपा ही नहीं, बिहार की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है।

# महिला जैन मिलन नेहानगर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया**

सागर। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 की महिला जैन मिलन नेहानगर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर एड. कमलेन्द्र जैन के मुख्यअतिथि में जैन धर्मशाला से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत महावीर प्रार्थना से हुई। तत्पश्चात चित्रावरण एवं दीप प्रज्ज्वलित मंचासीन अतिथि द्वारा किया गया । इसके बाद मंचासीन अतिथि अतिवीर एड. कमलेन्द्र जैन राष्ट्रीय मंत्री, वीर अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष,वीर संजय जैन शक्कर क्षेत्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष, वीर प्रमोद जैन भाई जी क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष एवं मनोज जैन का स्वागत अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह द्वारा अध्यक्ष वीरांगना ऋतु जैन एवं सभी वीरांगनाओं ने किया। वीरांगना पियूष जैन के द्वारा कार्यक्रम का मंगलाचरण किया गया। इसके बाद अध्यक्ष वीरांगना रितु जैन के द्वारा वर्ष भर में जो भी कार्यक्रम किए हैं उनके बारे में बताया गया। सचिव वीरांगना शालिनी बजाज ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारी का परिचय एवं जैन मिलन का परिचय दिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियो ओर सभी वीरांगनाओं को शपथ दिलवाई शपथ में भगवान महावीर के जियो और जीने दो एवं सामाजिक समन्वय के साथ छोटे-छोटे आयोजनों के माध्यम से, समाज को जोड़ने का संकल्प दिलाया । उपस्थित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियो ने अपने-अपने विचारों द्वारा शाखा की वीरांगनाओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने मार्गदर्शन के द्वारा बताया कि किस तरह से हमें अपनी शाखा के कार्यों को आगे बढ़ाना है और एक बार पुनः शाखा को सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड दिलवाना है। राष्ट्रीय मंत्री कमलेंद्र भाई साहब ने बताया कि पूरे विश्व में किस तरह से जैन धर्म की एक अलग ही पहचान बनी हुई है आज हम कहीं भी जाते हैं तो हमें किसी भी धर्म के लोगों का भोजन स्पेशल रूप से नहीं मिलता। जबकि हम देश में कहीं भी जाएं और अगर हम कहेंगे कि हमें जैन भोजन चाहिए तो हमें जैन थाली उपलब्ध हो जाती है। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है की सभी जगह हमें अपनी संस्कृति और अपने खान-पान से पहचान लिया जाता है कि हम जैन हैं।

# श्री दिगम्बर जैन मन्दिर अंबाबाड़ी जयपुर में नए स्वाध्याय कक्ष का उद्घाटन एवम धार्मिक शिक्षण शिविर शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन मन्दिर अंबाबाड़ी जयपुर में नए स्वाध्याय कक्ष का उद्घाटन शिविर की पहली कक्षा से हुआ। श्री अंबाबाड़ी दिगम्बर जैन मंदिर में नवीकरण के बाद स्वध्याय कक्ष का उद्घाटन श्रमण संस्कृत जैन संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संत सुधा सागर बालिका छात्रावास द्वारा आयोजित शिक्षण शिविर की पहली कक्षा से किया गया। उद्घाटन नरेंद्र आशा काला द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के सुरेश ठोलीया, टीकमजी सेठी,राकेश जैन, संस्थान की2 विदुषी बहने एवं समाज के सभी लोग साक्षी बने।

# ध्वजारोहण के साथ हुआ सिद्धचक्र महामंडल विधान शुरू, शोभायात्रा निकाली

**सौरभ जैन. शाबाश इंडिया**

पिड़ावा। आध्यात्मिक व धार्मिक नगरी पिड़ावा में ग्रीष्मकालीन धर्म देशना के तहत श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज पिड़ावा के तत्वाधान में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति यज्ञ मंगल कामना के लिए गुरूवार को ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि समाधि सम्राट परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर, मुनि भूतबलि सागर, मुनि ब्रह्मानंद सागर महाराज के पावन आशीर्वाद से विधानाचार्य पं.राजकुमार जैन के कूशल नेतृत्व में 16 मई से 24 मई तक होने वाले नो दिवसीय सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ गुरूवार को भक्तामर विश्व धाम ड़ोला अध्यक्ष प्रकाश जैन परिवार की और से ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर प्रातः 6 भगवान का अभिषेक, शांतिधारा,पात्र शुद्धि, रक्षा मंत्र नित्य नियम कि पूजन हुई। जिसके बाद शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पुरुष वर्ग भक्ति करते हुए व महिलाएं केसरिया साड़ी में सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग सेठान मोहल्ला, शहर मौहल्ला, खंडपुरा, नयापुरा होते हुए बड़ा मंदिर पहुंची। जहां पर मंत्र उच्चारण के साथ ध्वजारोहण किया गया। विधान की पूजा के 32 बतीस अर्ध चढ़ाये गये। नो दिवसीय विधान में प्रतिदिन दोपहर को 12:30 बजे विधान की पूजन व रात्रि में 7 बजे आरती भक्ति, 8:30 बजे शास्त्र प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जायेगा। इसमें सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत श्रावक श्रेष्ठी उपस्थित रहे।

# जे एस जी अनंता ने आयोजित की उत्कृष्ट दंपती (बेस्ट कपल) प्रतियोगिता

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

जेएसजी अनंता ने विद्याभवन सभागार ने अपने सदस्यों के लिये अति भव्यता तथा बंधुत्व से प्रेम के उद्देश्य से उत्कृष्ट दम्पत्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें दस दंपती सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा ने बताया कि चार चरणों में आयोजित यह प्रतियोगिता दंपती सदस्यों के मध्य आपसी तालमेल, सामंजस्य तथा तारतम्य अधारित केट वॉक से प्रारम्भ परिवार तथा समाज संबोधित प्रश्नोत्तरी से सम्पन्न थी। अध्यक्ष डॉ शिल्पा ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी जोड़े प्रतिभा के धनी थे जिनमें से प्रथम स्थान पर अरुण तथा विजया खमेसरा द्वितीय स्थान पर लोकेश तथा रेणु तलेसरा एवं तृतीय स्थान पर नितिन तथा सोनिया सिंघवी रहे। सभी दंपती विजेताओं को शेशे पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सचिव राजेश सिसोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता संचालन श्रीमति कल्पना धर्मावत एवं महेश नाहर द्वारा किया गया। उप सचिव शशिकांत जैन के अनुसार इस भव्य तथा अनूठे कार्यक्रम में 110 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया जिनमें राकेश भाणावत, प्रदीप बाबेल, गजेंद्र जोधावत, ललित कच्छारा, विनोद पगारिया, राजकुमार बाबेल, जिनेंद्र मेहता आदि थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में चार नव सदस्यों को निवर्तमान मेवाड़ रीजन चेयरमैन मोहन बोहरा द्वारा शपथ दिलवा कर ग्रुप में जोड़ा गया।

# चार्टर्ड अकाउंटेंट अभिषेक जैन को ग्लोबल एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजा गया

**सीकर. शाबाश इंडिया।** स्थानीय देवीपुरा निवासी सीकर के बेटे चार्टर्ड अकाउंटेंट अभिषेक जैन भारत के विभिन्न शहरों में अपने ज्ञान से हजारों लोगों को लाभान्वित कर चुके हैं और साथ ही अपने यूट्यूब चैनल सी ए अभिषेक जैन (हैन्डलर सी ए अभी जैन) से ना जाने कितने ही व्यापारियों और पेशेवरों की परेशानियां दूर कर चुके हैं। टैक्स और एम.एस.एम.ई. के कठिन प्रावधानों को आसानी से समझाना इनकी अपनी एक अलग कला हैं। अभिषेक जैन के पिताजी नथमल जैन जयपुरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके इसी जज्बे को इंडस्ट्री जगत के प्रतिष्ठित अवार्ड ग्लोबल एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजा गया। चार्टर्ड अकाउंटेंट अभिषेक जैन को उनके कर और कानून से संबंधित ज्ञान और समाज के विभिन्न वर्गों को नए-नए प्रावधानों को आसान भाषा में अवगत कराने के लिए मुंबई के होटल सहारा स्टार में फिल्म जगत की नामी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने टैक्स मेस्ट्रो एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। अभिषेक जैन टैक्स की समस्याओं को यूट्यूब चैनल से भी समाधान कर रहे हैं।

# मांग्यावास कॉलोनी जयपुर में हुआ गुरु मां विज्ञाश्री माताजी का भव्य मंगल प्रवेश

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** प. पू. भारत गौरव गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरूमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मंगल विहार वर्धमान सरोवर से मांग्यावास की ओर होने जा रहा है। पूज्य माताजी के अल्प प्रवास से वर्धमान सरोवर जैन समाज के श्रावकगण तथा बच्चों में भी धर्म की प्रभावना हुई। बच्चों ने माताजी को आहारदान देने का सौभाग्य प्राप्त किर नित्य देवदर्शन करने का संकल्प लिया। प्रवचन सभा में उपस्थित धर्मार्लुओं को सदुपदेश देते हुए माताजी ने कहा कि - सम्यग्दर्शन रूपी रत्न को प्राप्त करने के चार लक्षण है। इन चार लक्षणों से युक्त जीव ही निकट भव्यता को प्राप्त कर पाता है। प्रथम-यानि कषायों का मंद होना, संवेग यानि पापों से डरना, अनुकम्पा यानि जीवों या व्रतियों पर दया भाव रखना और आस्तिक्य यानि अपनी आत्मा पर अटूट श्रद्धान करना। इन चार लक्षणों से हम मोक्ष रूपी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। पूज्य माताजी ससंघ का माँग्यावास मानसरोवर जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। शाम 7 बजे मांग्यावास जैन मंदिर में पूज्य माताजी ससंघ सान्निध्य में गुरुभक्ति, आनंद यात्रा एवं भव्य आरती का आयोजन हुआ जिसमें सभी ने सहभागिता निभाई।

# स्वाद बनाम सेहत

विजय गर्ग

किसी का जन्मदिन हो, विवाह समारोह या फिर कोई भी मौका, आज देखते ही देखते हर तरह के जश्न में 'फास्ट फूड' की उपस्थिति अनिवार्य - सी हो गई है।हमारे समय का हलवा पूरी और पुदीने की चटनी अब चलन से बाहर हो चुके और एक 'पिछड़ी' हुई रुचि का खाद्य मान लिए गए हैं। अब कोई इनका जिक्र तक नहीं करना चाहता ।पिज्जा और बर्गर की पहुंच

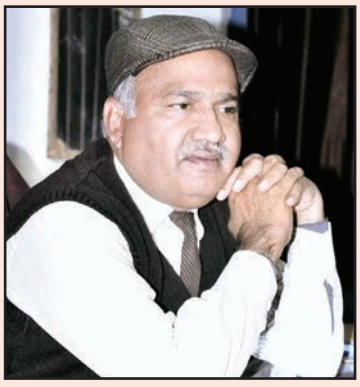

तो कस्बे ही नहीं, गांव-गांव तक हो गई है। इसलिए अब पेस्ट्री और पास्ता के लिए गांवों में रहने वालों को शहर नहीं भागना पड़ता।पेशेवर तौर पर तैयार खाना घर पहुंचाने वाली कुछ कंपनियां तकनीक में ऐसी चाक-चौबंद और मुस्तैद हैं कि बहुत कम वक्त में अपनी छाप छोड़ चुकी है।यहां भी बच्चों का स्वाद बदलने के लिए आती ही जा रही है। भारत के चौबीस हजार से अधिक गांवों के नाम आज पांच फास्ट फूड पहुंचाने वाली कंपनियों के पास दर्ज हैं। आगे भी तैयारी चल रही है। गांव में कार्यक्रमों का आयोजन करके शायद बाकी गांवों में छा जाने का लक्ष्य है। माता-पिता का नाम, पास्ता और सैंडविच के प्रकार अब स्कूल जाते बहुत सारे पांच साल के बच्चे को भी याद होते हैं। करीब पांच साल के दूर बच्चे तो मंचूरियन को भी पहचान लेते है। आज भारतीय समाज मे बच्चों की स्वाद ग्रंथि पर इन मीठे और नमकीन फास्ट फूड ने जितना गहरा स्थान बना लिया है, उतना नवरत्न चटनी, घी आटे का हलवा, लड्डू, नारियल की खीर, पकौड़े, चटपटे आलू जैसे देसी व्यंजन नहीं बना सके। ये पुरानी चीजें अब भुलाई जा रही हैं। तुरंता आहार या फास्ट फूड के कारोबार में हर दिन नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इनका आकार प्रकार, इस्तेमाल होने वाले रसायन, स्वाद, खुशबू, रंग, विविधता, खाने में सुविधाजनक होना फास्ट फूड की लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। यह बेवजह नहीं है कि पारंपरिक भोजन और भोजन शैली की जगह अब तेजी से सिकुड़ती जा रही है। लोगों के स्वाद बदल रहे हैं। इसके प्रति ऐसा आकर्षण पैदा हुआ है कि कुछ लोग मानने लगे हैं कि यह दबी हुई भूख को जाग्रत कर देता है । पिज्जा या बर्गर का नाम लेते ही कुछ लोगों के मन में एक जायकेदार छवि बनने लगती है। एक लत की तरह की रुचि का अध्ययन करने की जरूरत है कि अगर ऐसा होता है तो क्यों होता है ! इसमें कौन-सी ऐसी चीज का प्रयोग किया जाता है कि लोग ऐसा सोचने लगते हैं ! आज हालत यह है कि बर्गर का एक टुकड़ा मुंह में रखकर आखें बंद कर आनंद से खाने वाला अगर पराठा खाए तो शायद उसे अरुचि हो । जबकि पराठे के गुण पिज्जा से हर हाल में कई- कई गुना अधिक है। मगर इस पर लोग अब शायद सोचते भी नहीं । दो-तीन दशक पहले तक खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर गौर किया जाता था। वह ताजा बना हुआ है, यह भी देखा जाता था। अब ताजा और बासी का कोई प्रयोजन नहीं करना होता । 'ओवन' में बस कुछ सेकंड में बासी सैंडविच को गरमागरम ताजा बना लिया जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, कम से कम बीस लाख 'फास्ट फूड' के डिब्बे या पार्सल की आपूर्ति केवल राजधानी दिल्ली में होती है। इनमें सैंडविच, पिज्जा, बर्गर आदि खासतौर पर होते हैं। यह हैरानी की बात हो सकती है, मगर इसके साथ ही ठंडे पेयों की बिक्री का आंकड़ा शायद और भी चौंकाए । स्वाद और जायके की दुनिया में गोते लगाएं और सेहत का रंग रूप भूल जाएं, यही मकसद है फास्ट फूड के कारोबार का । पार्सल को खोलकर उसमें से गरमागरम खाद्य पदार्थ निकालना और फिर आराम से बैठकर इसको एक-एक कौर दांतों से काटकर जीभ से रसीला बनाकर इसमें खो जाना एक तरह की खुशी है। कुछ समय पहले एक पाश्चात्य गायक किसी फास्ट फूड का प्रचार करते हुए इसे चटखारे लेकर खाए जा रहे थे। उनका एक संकेत यह भी था कि भोजन की फिक्र में सिर किसलिए खपाया जाए..! उनको इस तरह देखने वाले लोग भी दाल-चावल रोटी, साग, रायता, पापड़, चटनी भूलकर उसी खाने पर रीझ रहे होंगे। मनमोहक इश्तिहार देखकर मजबूत मन भी उसके साथ हिलने-डुलने लगता है। बच्चे हों या किशोर, युवा हों या वयस्क, हैसियत का पैमाना मान लिए गए फास्ट फूड के इंद्रजाल में ऐसे फंसते हैं जैसे सांप को रस्सी समझ लिया जाए।विडंबना यह है कि इसके नुकसान झेलने के बावजूद ऐसी नासमझी बरकरार रहती है। इसे सुधारा नहीं जाता। भले ही कब्ज हो, दस्त लग जाए, गला खराब हो, रसायन युक्त खाद्य से बदन ही दुखने लगे, बाल गिरने लगे, दांत खराब हो, कान दुखने लगे। मगर हर अगली भूख को तृप्त करने के लिए फिर उसी सम्मोहन में डूबे रहना लोगों को अच्छा लगता है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे इस तरह के खानपान के शौकीन बनकर इसके अर्ध कल्पित, अर्ध परिचित अर्ध सत्य के भ्रम में सेहत का नुकसान कर रहे हैं।उनके भविष्य को लेकर जरूर चिंतित होना चाहिए। इस तरह के खाने का उद्देश्य न तो किसी की सेहत बनाना है, न किसी को भोजन के माध्यम से अच्छी औषधीय गुण वाले व्यंजन परोसना है । हमारे यहां पारंपरिक भोजन में रायता और चावल को खाने से अतिसार एकदम ठीक हो जाता है। मूंग दाल का स्वादिष्ट चीला अगर पुदीने की चटनी के साथ खाया जाए तो पेट की समस्या, यानी अपच और कब्ज भी ठीक होती है। नारियल की चटनी और चने की रोटी या भरवां करेला ही मजे से खाया जाए तो पेट के कीड़े मर जाते हैं। प्याज का सलाद खाने से लू नहीं लगती। मेथी की चपाती या पकौड़ी से बदन का दर्द दूर होता है। सवाल है कि हर तरफ पसर रहे बाजार के तुरंता खाने से सेहत में कितना सुधार होता है ! अगर केवल स्वाद और आकर्षण में डूबा जाए तो धन तो जाएगा ही, सेहत भी दांव पर लगेगी।

**-विजय गर्ग**
**शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब**

# उच्च तापमान का बनता रिकार्ड

यूरोप की 'कापरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस संस्था' के अनुसार 2023 को अब तक के सबसे गर्म वर्ष के रूप में चिह्नित किया गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण धरती का औसत तापमान उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर है। महीने - दर - महीने, साल-दर- साल तापमान के रिकार्ड ध्वस्त होते जा रहे हैं। यह चिंताजनक है, क्योंकि उच्च तापमान का पारिस्थितिकी तंत्र और मानव समाज पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दरअसल जलवायु परिवर्तन के साथ दुनियाभर में बढ़ता तापमान कई अनुषंगी पर्यावरणीय समस्याओं को भी जन्म देता है। सूखा, बाढ़ और दावानल इसके प्रमुख रूप हैं। उच्च तापमान के कारण वाष्पीकरण की दर में वृद्धि से मिट्टी की नमी कम होने लगती हैं, जिससे कई क्षेत्र सूखे का सामना करते हैं। सूखे के कारण फसलों की पैदावार में कमी आती है। इससे मानव समाज के समक्ष खाद्य असुरक्षा, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन का खतरा मंडराने लगता है। वहीं जलाशयों में पानी का भंडारण कम होने और भूजल का स्तर गिरने से एक बड़ी आबादी को पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। बढ़ता-वैश्विक तापमान बाढ़ को भी आमंत्रित करता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा अधिक नमी अवशोषित करती है, जिससे अत्यधिक वर्षा होती है और कई हिस्से बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। वायु में नमी का अधिभार तूफान को अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। वहीं उच्च तापमान जंगल की आग को फैलने में सहायक होता है, क्योंकि ईंधन कम तापमान की तुलना में उच्च तापमान में अधिक आसानी से जलते हैं। उच्च तापमान जंगल की आर्द्रता को अवशोषित करते हैं, जिससे हरियाली सूखती है और दावानल की चपेट में आसानी से आ जाती है। गर्मी का मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998-2017 तक लू के कारण 1,66,000 से अधिक लोग मारे गए। वहीं 2000 और 2016 के बीच लू की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या में लगभग 1.25 अरब की वृद्धि दर्ज की गई। है। जाहिर है, मौसम संबंधी मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण चरम तापमान भी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल देश में अप्रैल और जून के महीने में भीषण गर्मी के कारण हीटस्ट्रोक के कारण लगभग 110 मौतें हुईं। वहीं 2021 में हीटस्ट्रोक से 374 लोगों की जान गई थी। उच्च गर्मी से बचने के लिए एक और जहां सतर्क रहने की जरूरत है, वहीं पौधारोपण, प्लास्टिक के प्रयोग में कमी, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को अपनाने जैसे कार्य भी जारी रखने होंगे। प्रकृति को संरक्षित करने का कार्य हरेक स्तर पर जारी रखने होंगे। तभी जाकर इस धरा को मानव जीवन के अनुकूल बनाया जा सकता है।

**-विजय गर्ग शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब**

श्रमण संस्कार शिविर

## जीव, पुद्गल, धर्म ,अधर्म , आकाश और काल इन छः द्रव्यों का वर्णन है-द्रव्य संग्रह

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जनकपुरी ज्योति नगर में श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में चार क्लास में छात्रों ने अध्ययन किया। विदुषी नैन्सी ने ध्यान केंद्र में चल रही द्रव्य संग्रह की क्लास में बताया कि द्रव्यसङ्ग्रह (द्रव्यों का संग्रह) 9- 10 वीं सदी में लिखा गया एक जैन ग्रन्थ है। यह सौरसेणी प्राकृत में आचार्य नेमिचंद्र द्वारा लिखा गया था। द्रव्यसंग्रह में कुल 58 गाथाएं है। इनमें छः द्रव्यों का वर्णन है: जीव, पुद्गल, धर्म द्रव्य, अधर्म द्रव्य, आकाश और काल द्रव्य। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार शिविर नमोकार, प्रार्थना व नवीन विनय सेठी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। शिविर में नित्य प्रातः बाल संस्कार, सिद्धांत प्रवेशिका, इष्टोपदेश , द्रव्य संग्रह व शाम को छहढाला की कक्षायें शुरू की गई है।

## अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन...

**सन्तों में दिगम्बरत्व की साधना, दुनिया की सबसे कठिन साधना है..!**

जिन्होंने पृथ्वी को अपना बिछोना और आकाश को चादर बनाया हो, दिशायें जिनकी वस्त्र हो, ऐसे महान सन्तों के आशीष की बदौलत ही समाज और देश में शान्ति, सदभाव बना हुआ है। आज जो हमारे पास दौलत है ना, वो इन्हीं साधु सन्तों की बदौलत है। भक्त और शिष्य में जमीन आसमान जैसा अन्तर है-? जो साधु सन्तों को याद करे वो भक्त और जिन्हें साधु, संत, महात्मा याद करे वो शिष्य। भक्त भावना में होता है, परन्तु शिष्य अनुशासन में होता है। भक्त पर अधिकार, तो शिष्य पर एकाधिकार होता है। साधु, सन्तों को दुनिया याद करती है, लेकिन तुम्हारी भक्ति, श्रद्धा, सेवा, समर्पण, व्यवहार व आचरण ऐसा हो कि साधु संत तुम्हें याद करे। और यदि साधु संतो ने तुम्हें याद कर लिया, तो तुम्हारा कल्याण तो यूं ही फ्री फण्ड में हो जायेगा। इसलिए मरते वक्त अपनी सन्तान को, बेटों को सिर्फ धन की शिक्षा देकर मत जाना,, साथ में धर्म, दान, सेवा, परोपकार के संस्कार देकर भी जाना। केवल लम्बा-चौड़ा व्यापार नहीं देना.. साथ में धर्म का आधार भी देना...! -नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

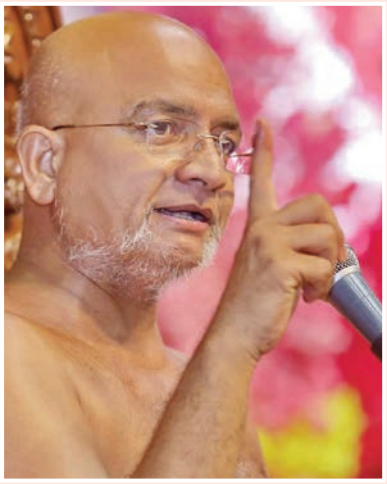

# श्री मुलतान दिगम्बर जैन मंदिर आदर्श नगर में धार्मिक शिक्षण शिविर शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर बालिका छात्रावास व श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में श्री मुलतान दिगम्बर जैन मंदिर आदर्श नगर में 15 मई को सायं 7 बजे धार्मिक शिक्षण शिविर का उद्घाटन बच्चों द्वारा नारे लगाते हुए धूमधाम से सम्पन्न हुआ। भगवान महावीर के चित्र अनावरण समाज श्रेष्ठी मनोहर लाल रमेश व संजय के द्वारा किया गया। शिविर संयोजक श्रीमती प्रकाश देवी, सुलोचना व नीतू के द्वारा विदुषी साक्षी को माला व तिलक लगाकर स्वागत किया गया। साक्षी दीदी ने बहुत ही सरल व सुगम माध्यम से छह ढाला की वाचना की।

## सिल्वर जोन ओलंपियाड में महावीर स्कूल को मिले स्वर्ण पदक

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सिल्वर जोन ओलंपियाड (2023-24) में महावीर पब्लिक स्कूल का परिणाम उत्कृष्ट रहा। इस ओलंपियाड में 467 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें 105 स्वर्ण, 34 रजत एवं 24 कांस्य पदक बच्चों ने प्राप्त किए। कक्षा 7 के विहान माखीजा ने साइबर ओलिंपियाड एवं सोशल स्टडीज ओलंपियाड में,कक्षा 12 की जीतांशी पुरोहित ने कॉमर्स ओलंपियाड में स्वर्ण पदक एवं विशेष योग्यता प्राप्त की साथ ही कक्षा 10 के कार्तिक सांघी ने आईटीएचओ, आईआईओ एवं आईओएस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

### आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# ब्रिटिश फैशन कंपनी 'एसोस' के प्रोडक्ट भारत में बेचेगा रिलायंस रिटेल

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया।** ब्रिटेन की मशहूर ऑनलाइन फैशन कंपनी एसोस के प्रोडक्ट भारत में बेचने के लिए रिलायंस रिटेल ने एक दीर्घकालीन साझेदारी की है। लाइसेंसिंग समझौते के तहत, रिलायंस रिटेल भारत में सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों पर एसोस के प्रोडक्ट्स ग्राहकों को उपलब्ध कराएगा। एसोस दुनिया भर के युवा फैशन-प्रेमियों के बीच खासा लोकप्रिय है। कंपनी के प्रोडक्ट 200 से अधिक बाजारों में उपलब्ध हैं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने बताया कि हम अपने फैशन

परिवार में एसोस का स्वागत करते हैं। वैश्विक फैशन रुझानों को भारत के बाजारों तक लाने के हमारे समर्पण में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी भारत के प्रमुख खुदरा बाजारों में हमारी मजबूत स्थिति को दिखाती है और यह सुनिश्चित करती है कि हमारे ग्राहकों की पहुंच अत्याधुनिक फैशन तक हो। एसोस के सीईओ जोस एंटोनियो रामोस ने कहा, ''रिलायंस रिटेल के साथ मिलकर हम भारत में ग्राहकों के लिए अपने कुछ फैशन-आधारित ब्रांड लाने के लिए उत्साहित हैं, जिसमें एसोस डिजाइन भी शामिल है, जो इस पूरी दुनिया में सबसे बड़े ब्रिटिश फैशन ब्रांडों में से एक है।'' रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड , रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड समूह के तहत सभी खुदरा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है।

# 6 वर्षीय स्नेहिल सोनी ने अपने भजनों से सबको रिझाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

स्टेशन रोड स्थित श्रीमाधोबिहारी जी के पंचदिवसिय शताब्दी पाटोत्सव आयोजन के तीसरे दिन अष्टप्रहरी श्रीयुगल नाम संकीर्तन का विश्राम हुआ। शाम के समय स्वामी श्रीपद्मनाभशरण देव जी ने श्रोताओं के प्रश्नों के समाधान के माध्यम से शास्त्रों के गहन विषयों को सरलता से समझाया। वेद विद्या, उपनिषद, शास्त्र, ब्रह्म, अद्वैतवाद, द्वैतवाद और द्वैताद्वैत संबंधी अनेकों प्रश्नों का समाधान स्वामीजी ने किया। इससे पहले पंच वर्षीय झारखंड से पधारी विख्यात भजन गायिका स्नेहल सोनी द्वारा भक्ति संगीत प्रस्तुत किया इस छोटी सी बालिका ने उपस्थित सैकड़ो महिलाओं और पुरुषों को अपने स्वर लहरी से आनंदित किया उसने भगवान की भक्ति के अलग-अलग विषयों के भजन प्रस्तुत किए जैसे मधुराष्टकम्,रुद्राष्टकम, शिव तांडव, राम भजन कृष्ण भजन, खाटू श्याम जी के भजन इत्यादि। स्नेहल इस समय पूरे भारत में अपने भक्ति संगीत के लिए प्रसिद्ध है। वह

शाइनिंग स्टार आफ झारखंड एवं वर्ल्ड म्यूजिक कंपटीशन की विजेता रह चुकी है। स्नेह के साथ उसके पिता सौरभ सोनी एवं उसकी छोटी बहन संचित सोनी ने भी संगत किया।

# श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के सहयोग से 46 शिविरों का आयोजन किया जा रहा है

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत श्री संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय द्वारा श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उसी के अंतरगत श्री चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदीर दुर्गा पुरा में त्रिशला संभाग के सानिध्य में 15 मई से धार्मिक शिक्षिण शिविर का आयोजन किया जा रहा है अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं सचिव श्रीमती रेणु जी पांडे ने बताया की श्रवण संस्थान से पंडित विनय भैया जी शास्त्री एवं बालिका श्रमण संस्थान से विदुषी आस्था संजना आशि का दीदी तत्वार्थ सूत्र जी छहैढाला द्वितीय भाग प्रथम भाग कि कक्षा चल रही है जिसमे 125 शिविरार्थि इसका लाभ ले रहे है। प्रतिदिन शिवरार्थियो को साधर्मि बंधुवो द्वारा पारितोषिक वितरण भी किया जाता है।

# धार्मिक शिक्षण शिविर का हुआ भव्य शुभारंभ

**अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया**

**जयपुर।** श्रमण संस्कृति संस्थान व श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में ऐस. बी हाईट सोसाइटी केसर चौराहा, जयपुर में मोना झाँझरी की अध्यक्षता में धार्मिक शिक्षण शिविर का शुभारंभ सम्पन्न हुआ वहीं महिलाओ ने सिर पर माँ जिनवाणी , बच्चों ने जैन ध्वज लिए गाजे बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला संयोजक देवेन्द्र झांझरी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी, जैन रत्न मनोज सोगानी एवं सीमा सोगानी रहे मुख्य अतिथि ने फीता काटकर धार्मिक शिक्षण शिविर स्थल का उद्घाटन किया तत्पश्चात मुख्य अतिथि मनोज - सीमा सौगाणी, संयोजक देवेन्द्र झांझरी, विनोद बाकलीवाल ने भगवान आदिनाथ के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर कलश सीमा सौगानी,आचार्य समयसागर जी कलश मोना झांझरी , पूज्य

निर्यापक मुनि सुधासागर कलश अतिथि जयनगर मन्दिर शिविर संयोजक उषा बड़जात्या, सुमन जैन द्वारा स्थापित किया गया वहीं प्रियल झांझरी ,प्रज्ञा जैन एवं खुशी बाकलीवाल द्वारा मंगलाचरण नृत्य की प्रस्तुति दी गई तिलक, माला, मुकुट पहनाकर मुख्य अतिथि का देवेन्द्र झांझरी, मुदित गौधा ,सुरेंद्र जैन, दिनेश पाटनी ने स्वागत किया, महिला अतिथियौ का स्वागत रंजना पाटनी, शिवानी बाकलीवाल, संतोष जैन, तथा मुख्य संयोजक एवं शिवर शिक्षिका मोना झांझरी का मुख्य अतिथि सीमा सोगानी ने स्वागत किया मुख्य अतिथि मनोज - सीमा सौगाणी , यामिनी गौधा प्रियंका पाटनी भावना पाटनी, शालू झांझरी ने मोमेंटो भेट किए कार्यक्रम के समापन पर मोना झांझरी ने श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला एवं सभी शिविर आयोजको का विशेष रूप से श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्राध्यक्ष शीला डोडिया का आभार व्यक्त किया शिविर के विद्यार्थियों को पुस्तक, कॉपी, पेन का किट वितरण किया गया इस अवसर पर अरविंद पाटनी, महेश अग्रवाल, ओमप्रकाश जैन, रंजना जैन, दिव्या, शैफाली गंगवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व समाज बंधु उपस्थिति रहे।

## श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर ( शक्ति नगर सभांग) धार्मिक शिक्षण शिविर शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर ( शक्ति नगर सभांग) धार्मिक शिक्षण शिविर श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत संचालित संत सुधा सागर आवासीय बालिका छात्रावास के सहयोग से शुभारंभ हुआ। शिविर मे दीप प्रजलन पारस व शिखर द्वारा किया गया व बच्चों को खाथ सामग्री विमला बहन व राजकुमार व रोहित बिलाला द्वारा बांटी गई। शिविर सयोजक- सुनीता अजमेरा व मीनू गगंवाल ने बताया कि शिविर मे सभी बच्चों ने बड़े उत्साह से दो विदुषीयो द्वारा धर्म लाभ लिया।

# श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति सिद्धार्थनगर इकाई में धार्मिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

15 मई को श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति सिद्धार्थनगर इकाई में धार्मिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में डॉक्टर वंदना जैन श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर निर्देशिका और दिगंबर जैन राजस्थान अंचल के मुख्य परामर्शिका उपस्थित हुई। श्री दिगंबर जैन महा समिति जयपुर के अध्यक्ष संजय गोधा और श्रीमती शालिनी बाकलीवाला राजस्थान अंचल के अध्यक्ष भी उपस्थित हुई । सिद्धार्थनगर मंदिर समिति के अध्यक्ष पारस आगरा वाले एवं समिति के मंत्री आशीष छाबड़ा एवं पूरी कार्यकारिणी भी कार्यक्रम के अंत तक उपस्थिति रही। बच्चों ने बहुत ही सुंदर जुलूस निकाला जिसमें समाज के महिला पुरुष एवं युवा उपस्थित थे। बच्चों ने जुलूस की शोभा बहुत ही सुंदर तरीके से जिनवाणी सजाकर सर पर रखी और कलश जैन धर्म के ध्वज आदि के साथ में जुलूस की शोभा बढ़ाई कार्यक्रम संयोजिका विद्युत जी एवं रेणु जी सोनिया जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में दीप

प्रज्वलन राजेश लालसोट वाले एवं कलश स्थापना रिंकू जी बनेठा के द्वारा की गई व 15 मई की पारितोषिक वितरण भी रिंकू जी बनेठा के द्वारा किया गया। छात्रावास की विदुषी बालिका आस्था दीदी, संजना दीदी एवं आयुषी दीदी का तिलक माल्या अर्पण कर स्वागत किया गया। जुलूस के पश्चात सभी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

# शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण कर रहे बच्चों को दी वस्त्र सेवा

## शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण कर रहे बच्चों को दी वस्त्र सेवा

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर एवम लायंस क्लब अजमेर आस्था के संयुक्त तत्वावधान में माखुपुरा क्षेत्र में संचालित शैक्षणिक केंद्र जहा बच्चों को निशुल्क शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान किए जा रहे हैं के 30 बच्चों को क्लब के पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन डॉक्टर अशोक शर्मा के मुख्य आथित्य में टी शर्ट,लोवर हाफ पेंट आदि प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष डॉ. पी के शर्मा ने बताया कि समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से एवम कार्यक्रम संयोजक प्रांतीय सभापति हंगर रिलीफ लायन अतुल पाटनी के संयोजन में बच्चों को बहुत ही सम्मान के साथ सेवा दी गई। लायन डॉ, शर्मा ने अपने उद्बोधन में अजमेर लायंस के द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत किए जा रहे सेवा प्रकल्पों को अनुकरणीय बताया। अंत में संस्था संचालिका संजू शर्मा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लायन अध्यक्ष डॉक्टर पी के शर्मा, लायन अतुल पाटनी,लायन डॉक्टर अशोक शर्मा, लायन सुरेंद्र बाला शर्मा,लायन विजया शर्मा व वी के शर्मा ने अपनी उपस्थिति देकर सेवा कार्य में सहयोग दिया।

# महाराणा प्रताप जयंती मनायी

**रेणु पाटनी. शाबाश इंडिया।** अजमेर की सर्वोदय कालोनी की शांति नाथ जिनालय महिला मंडल ने महाराणा प्रताप स्मारक पर जाकर घूम घाम से महाराणा प्रताप जयंती मनाई, मधु जैन, रेणु पाटनी ने बताया कि वहां पहुंचकर जगह का अवलोकन किया, बाद में बीना गदिया द्वारा हाऊजी खिलाई गयी। अंताक्षरी में सभी सदस्यों ने भाग लिया। बाद में सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। इंद्रा कासलीवाल अनामिका सुरलाया, नीरू सौगानी, ऊषा सेठी, मंजू छाबड़ा, शांता पाटनी, शिखा विलाला गुण माला गंगवाल आदि सदस्य मौजूद थी।

# कौशलोन्मुखी शिविर का हुआ सफल समापन

**मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया।** टीकमगढ़ । निकटवर्ति श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र फलहोड़ी बड़ागांव धसान एवं श्री सन्मति दिगंबर जैन पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान मे कौशलोन्मुखी शिविर का सफल आयोजन-04 मई 2024 से 15 मई 2024 तक किया गया। जिसमे धर्म, कला, शिक्षा, संस्कार का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का प्रारंभ पाठशाला की बहिनों द्वारा मंगलाचरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। दीप प्रज्ज्वलन डॉक्टर कैलाश, पं. ऋषभ , राजेश शाह, शाह कैलाश , प्रवीण कुमार , पत्रकार धीरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।शिविर संयोजक एवं मंच संचालक शिक्षक सुनील शास्त्री ने बताया कि द्वादश दिवसीय शिविर के अंतर्गत जैन धर्म प्रथम भाग मौखिक परीक्षा में प्रथम स्थान कु वंशिका जैन, द्वितीय स्थान सार्थक जैन, तृतीय स्थान कु आध्या जैन ने प्राप्त किया। प्रथम भाग में आदर्श जैन ने प्रथम, द्वितीय स्थान माही जैन, तृतीय स्थान आर्या जैन ने प्राप्त किया, द्वितीय भाग में प्रथम स्थान वंशिका जैन, द्वितीय स्थान कु अनुप्रेक्षा जैन,तृतीय स्थान प्रियांशी जैन ने प्राप्त किया। छहढाला में प्रथम स्थान रीना जैन, द्वितीय स्थान श्रीमती गुणमाला जैन, तृतीय स्थान श्रीमती उपमा जैन ने प्राप्त किया। मोक्ष शास्त्र में प्रथम स्थान नेहा सिंघई, द्वितीय स्थान आशा जैन अतौरा, तृतीय स्थान सुमन लता जैन ने प्राप्त किया। कढ़ाई में राशि जैन, द्वितीय स्थान रितिमा जैन, तृतीय स्थान पूजा जैन ने प्राप्त किया। मंडला आर्ट में प्रथम स्थान आस्था जैन, द्वितीय स्थान अवनि जैन, तृतीय स्थान नव्या जैन ने प्राप्त किया। मेंहदी में प्रथम स्थान दीपिका जैन, द्वितीय स्थान आरोहि जैन, तृतीय स्थान अनुष्का जैन ने प्राप्त किया। करसिव लेखन में प्रथम स्थान पुंज जैन, आशी जैन, द्वितीय स्थान दीक्षा जैन, आदित्य जैन, तृतीय स्थान पाखी जैन, यश जैन ने प्राप्त किया। शिक्षिकाओं, संयोजकों, शिविर पुण्यार्जक, पुरस्कार पुण्यार्जक, स्वल्पाहार पुण्यार्जक परिवारों का क्षेत्र कमेठी द्वारा सम्मान किया। संपूर्ण शिविर में करीब 150 बालक बालिकाओं एवं महिलाओ ने भाग लिया। सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर संयोजक प्रमोद कुमार जैन कोठिया, सहसंयोजिका श्रीमती संतोषी जैन, श्रीमती प्रीति जैन, अध्यक्ष डॉक्टर कैलाश चंद्र जैन नुना, मंत्री शाह राजेश जैन, कोषाध्यक्ष पटवारी धीरज जैन, पं. सुरेन्द्र कुमार , पंडित ऋषभ कुमार जैन, पंडित अजीत कुमार जैन, शिविर पुण्यार्जक शाह कैलाशचंद जैन शिक्षक, स.सि. प्रवीण कुमार जी (नगर सेठ) अजनौर, प्रसन्न कुमार , संजय कुमार सचिव, सुरेश कुमार , अरविन्द कुमार , नीरज कुमार , गौरव कुमार , सौरभ कुमार , महावीर जैन, आयूष जैन, सिद्धार्थ जैन उपस्थित रहे।